उपसभापति : झारखंड के मामले में गृह मंत्री जी रिएक्ट कर रहे हैं, उन्हें बोलने दीजिए।

श्री विष्णु कांत शास्त्री (उत्तर प्रदेश) : महोदया, इस समस्या के बारे में झारखंड के नेताओं से बातचीत करते हुए सरकार को भारतीय जनता पार्टी के दृष्टिकोण को भी ध्यान में रखना चाहिए क्योंकि जिस तरह से वनांचल का आंदोलन चल रहा है, उसके ऊपर बिना विचार किए कोई स्थायी निर्णय नहीं किया जा सकता है। इसलिए मेरा सरकार से अनुरोध है कि आप भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को भी इस विचार-विमर्श में शामिल करें।

SHRI BHUBANESWAR KALITA (Assam): The sentiments of the people living in those localities should also be considered before arriving at an accord or something of that sort. There is not just one section of the population.

गृह मंत्री (श्री एस०बी० चव्हाण) : मैडम, झारखंड के मामले में इससे पहले भी सारी पोलिटिकल पार्टीज के साथ बातचीत हुई है। उसके बाद मैंने खुद मुख्य मंत्री जी के साथ इस बारे में बातचीत की है और आज कुछ लोगों को मैंने इस मामले में बातचीत के लिए बुलाया है, लेकिन इसका आखिरी फैसला तभी हो सकता है जबकि दोनों पार्टीज इकट्ठे हमारे साथ बैठें क्योंकि अल्टीमेटली ये मामला जब तक बिहार गवर्नमेंट कबूल नहीं करती, उस वक्त तक इसमें से कोई रास्ता निकलना मुश्किल दिखायी देता है। (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, that matter is closed.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल (उत्तर प्रदेश) : मैडम, सत्या बहिन हमारे हाउस की मेंबर हैं, कमला जी मेंबर हैं, इस किस्म का एक लेटर है जो कि महिला मेंबर्स को मिला है।

उपसभापति : आप एक मिनिट रुकिए।

RE. BOMB BLASTS IN BOMBAY

श्री प्रमोद महाजन (महाराष्ट्र) : उपसभापति महोदया, मैं गृह मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि आज सुबह साढ़े 11 बजे बी.बी.सी. पर मैंने खुद सुना कि अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी नागरिकों को यह कहा कि वह आने वाले दिनों में दिल्ली में प्रवेश न करें। उसका कारण देते हुए अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने यह कहा कि उनको जानकारी है कि मुंबई के बम विस्फोट के बाद अब दिल्ली लक्ष्य बन चुका है और आने वाले दिनों में दिल्ली में कुछ-न-कुछ घटना होने की संभावना है। इसलिए अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी नागरिकों को दिल्ली न जाएं, इस प्रकार की सलाह दी है। मैं भारत सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि बी.बी.सी. अत्यन्त विश्वसनीय सेवा है। इसको हम कोई रयुमर मानकर, गप्प मानकर न छोड़ें।

मैडम, अमरीकी विदेश मंत्रालय ने जिम्मेदारी से यह कहा है। और, उसके आगे उसी खबर में यह कहा है कि डिटेल्स देने से उन्होंने इंकार किया है। इसलिए मैं गृह मंत्री जी का सदन को आश्वासन चाहता हूं, एक यह कि दिल्ली की जो भी सुरक्षा आज वह कर रहे हैं, उसमें सतर्कता बढ़ायेंगे और इस खबर के आधार पर कोई नई समस्या खड़ी हो रही है तो सतर्कता में वृद्धि करेंगे और दूसरा, हमारे विदेश मंत्रालय द्वारा अमरीकी विदेश मंत्रालय से संपर्क करेंगे और यह जानने की कोशिश करेंगे कम से कम कूटनीतिक माध्यम से कि आखिर अमरीकी विदेश-मंत्रालय इस निर्णय पर क्यों आया है?

मैडम, मुम्बई के ब्लास्ट के बारे में आप कह सकते हैं कि हमें मालूम नहीं

था, लेकिन इसके बाद अगर दिल्ली में कुछ हो जाए तो मुझे लगता है कि सरकार और गृह मंत्री इस सदन के लिए जिम्मेदार होंगे। मैं आशा करता हूं कि मेरे इस कहने पर कुछ न कुछ उत्तर गृह मंत्री जरूर देंगे। . . . (**व्यवधान**) . . .

SHRI SURESH KALMADI (Maharashtra): Madam, it is highly serious. . . (*Interruptions*) . . . It is very serious. . . (*Interruptions*) . . .

SHRI MENTAY PADMANABHAM (Andhra Pradesh): What is the reaction of the Government, Madam? Is Delhi safe? . . . (*Interruptions*) . . .

SHRI SURESH KALMADI: Madam, the Home Minister should make a statement. . . (*Interruptions*) . . . It should not be taken lightly. The Home Minister should react. . . . (*Interruptions*) . . .

श्री कलाश नारायण सारंग (मध्य प्रदेश): मैडम, इंडियन एक्सप्रेस में भी इस तरह का समाचार छपा है—

"ISI wanted to start a civil war in India."

मैडम, इसमें लिखा है कि यह जो घटना हुई है मुम्बई की, मुम्बई के साथ दिल्ली भी इसमें शामिल थी। वहां का जो स्मगलर का गैंग है जिसमें सिंडिकेट पाकिस्तान के, ड्रग, दवाओं, सोने-चांदी में छिपाकर एक्सप्लोजिव और आर्मस लाए थे जो कोस्टललाइन है अलीबाग और मोरा का, वहां यह उतारा गया था। यह सारे पैकेज उतारे गए मिड फरवरी में। मैडम, यह बहुत गंभीर मामला है। दिल्ली भी खतरे में है। सरकार का ध्यान जाना चाहिए।

जहां तक सिविल वार की बात है, हिंदुस्तान में कोई सिविल वार नहीं होगा, यह मैं जानता हूं। यह आई. एस. आई. का एक बहुत बड़ा प्लान है। हिन्दुस्तान के अंदर जो ड्रग, दवाओं, सोने, चांदी की स्मगलिंग पाकिस्तान के द्वारा की जा रही है, इस ओर सरकार द्वारा ध्यान जरूर दिया जाना चाहिए। दिल्ली खतरे में है, इस सारे समाचार की पूरी जांच की जानी चाहिए। मैं होम-मिनिस्टर साहब का और सदन का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि बी.बी.सी. में जो समाचार आया है, उसकी इंडियन एक्सप्रेस ने भी पुष्टि की है। . . . (**व्यवधान**) . . .

THE DEPUTY CHAIRMAN: O.K.

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN): Madam, I will request the Minister of External Affairs to get in touch with the Foreign Office of the USA and try to confirm this kind of a news which has been given by the BBC. Whatever be the basis, I can assure the House that we will tighten the security.

RE. THREATENING LETTERS TO MEMBERS OF RAJYA SABHA

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ माम अफजल: मैडम, मैं यह तव्वजोह दिलाना चाहता हूं कि यह थ्रेटनिंग लेटर है, जो राज्य सभा के मेम्बर्स को भेजे गए हैं। इसमें सत्या बहिन जी, जो हमारे हाउस की मैम्बर हैं और दूसरे कमला जी, जो हमारे हाऊस की मैम्बर हैं, इन दोनों को इस किस्म के खतूत मिले हैं। इनको मैं पढ़कर सुना नहीं सकता हूं क्योंकि इसमें जो लिखा गया है उसकी तवक्को कम से कम किसी मोहज्जब आदमी से नहीं की जा सकती। यह अंग्रेजी में लिखा हुआ खत है। . . .

†[ ] Transliteration in Arabic Script.